Email - sonekikalam@gmail.com

आर.एन.आई. रजि. नं. 52089

सोने की कलम

प्रधान सम्पादक – चेतन गन्धे, 9893157809

www.sonekikalamnews.com

वर्ष - 34 अंक - 4 (साप्ताहिक, प्रत्येक गुरुवार) इन्दौर, 6 मार्च 2025 से 12 मार्च 2025 मूल्य 1 रुपये पृष्ठ 4

मोदी ने मुखवा में गंगा पूजा की, कहा-

राज्य में किसी सीजन में टूरिज्म बंद नहीं होगा, ठंड में घाम तापो पर्यटन के लिए आएं

उत्तरकाशी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को उत्तराखंड दौरे पर हैं। पीएम सबसे पहले उत्तरकाशी के मुखवा पहुंचे। मुखवा को मां गंगा का मायका कहा जाता है। यहां उन्होंने मां गंगा के शीतकालीन प्रवास स्थल पर दर्शन-पूजन किया। इसके बाद बाइक रैली को रवाना किया, और फिर हर्षिल में जनसभा को संबोधित किया।

इस दौरान मोदी ने कहा कि ठंड में जब देश के बड़े हिस्से में कोहरा होता है, सूर्य के दर्शन नहीं होते, तब पहाड़ों पर धूप होती है। ऐसे में कई लोग यहां धूप सेंकने आ सकते हैं। इसके लिए घाम तापो (धूप सेंको) पर्यटन हो सकता है। मैं कंपनियों से कहना चाहता हूं कि वे अपने बड़े-बड़े सेमिनार, कॉन्फ्रेंस के लिए उत्तराखंड आएं।

पहले प्रधानमंत्री उत्तराखंड टुरिस्ट विन्टर टुरिजम की प्रदर्शनी में पहुंचे थे। मुखवा में PM के स्वागत के लिए गांव को फूलों से सजाया गया है। व्यू पॉइंट भी बनाया गया है। इससे पीएम हर्षिल घाटी समेत माउंट श्रीकंठ व हॉर्न ऑफ हर्षिल देखा।

उत्तराखंड सरकार ने इस साल शीतकालीन पर्यटन शुरू किया है। माना जा रहा है कि पीएम के कार्यक्रम के बाद पर्यटन को और बढ़ावा मिलेगा। CM पुष्पेंद्र धामी ने कहा – इस दौरे से अर्थव्यवस्था, होमस्टे टूरिज्म, बॉर्डर एरिया के गांव के डेवलपमेंट को गति मिलने की उम्मीद है।

पीएम बनने के तीसरे कार्यकाल में मोदी का यह उत्तराखंड का दूसरा दौरा है। इससे पहले वे 28 जनवरी को 38वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करने उत्तराखंड आए थे।

लंदन में विदेश मंत्री एस. जयशंकर पर हमले की कोशिश

खालिस्तानी समर्थकों ने की नारेबाजी

लंदन। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर पर लंदन में हमले की कोशिश की गई। एक खालिस्तानी समर्थक सुरक्षा में सेंध लगाते हुए उनकी कार की ओर बढ़ा और पुलिस के सामने भारतीय तिरंगा फाड़ने की कोशिश की। इस दौरान अन्य खालिस्तानी समर्थक भी वहां मौजूद थे, जिन्होंने नारेबाजी की।

यह घटना तब हुई जब विदेश मंत्री जयशंकर एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद चैथम हाउस से बाहर निकल रहे थे। एक व्यक्ति अचानक उनकी कार की ओर दौड़ा और वीडियो में यह घटना रिकॉर्ड की गई।

जयशंकर ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर दिया बयान

कार्यक्रम के दौरान विदेश मंत्री से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर भी सवाल पूछा गया। इस पर जयशंकर ने कहा, कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना एक बड़ा कदम था। दूसरा बड़ा कदम कश्मीर में विकास, आर्थिक गतिविधि और सामाजिक न्याय को बहाल करना था। वहीं कश्मीर में सफलतापूर्वक चुनाव कराना तीसरा बड़ा कदम था।

लंबे समय तक लिव-इन में रहने के बाद बलात्कार का दावा नहीं कर सकती महिला

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि कोई महिला पुरुष पर शादी का वादा करके जबरन शारीरिक संबंध बनाने का आरोप नहीं लगा सकती है, अगर वे दोनों लंबे समय से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे हैं। कोर्ट ने यह टिप्पणी एक बैंक मैनेजर और लेक्चरर से जुड़े मामले में की है।

जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने महिला व्याख्याता की याचिका खारिज कर दी। महिला ने आरोप लगाया था कि वह आरोपी के साथ शादी के वादे के आधार पर 16 साल तक यौन संबंध में रही थी। अदालत ने यह भी कहा कि भले ही यह मान लिया जाए कि झूठा वादा किया गया था, लेकिन रिश्ते की लंबी अवधि ने शिकायतकर्ता के इस दावे को कमजोर कर दिया कि उसकी सहमति केवल शादी की उम्मीद पर आधारित थी।

आसाराम और नारायण साईं का कट्टर समर्थक गिरफ्तार

भोपाल/सूरत। गुजरात पुलिस ने 10 सालों से फरार ताम्रध्वज उर्फ तामराज को गिरफ्तार कर लिया। ताम्रध्वज, रेप के दोषी आसाराम और उनके बेटे नारायण साईं का कट्टर अनुयायी था। वह आसाराम के खिलाफ आवाज उठाने वाले कई लोगों की हत्या और जानलेवा हमलों के मामलों में 6 राज्यों में वांटेड था। इतना ही नहीं, हरियाणा सरकार ने उस पर 50 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। तामराज ने जेल में आसाराम और नारायण साईं से मिलने की कई बार कोशिश की, लेकिन हर बार वह नाकाम रहा। वह आसाराम और उनके बेटे नारायण साईं का इतना कट्टर समर्थक था कि उनके खिलाफ आवाज उठाने वाला हर शख्स उसके निशाने पर होता था।

3 लाख से कम है इनकम तो

महिलाओं को हर महीने मिले 2500 रुपये

नईदिल्ली। दिल्ली में बीजेपी सरकार ने महिलाओं के लिए एक बड़ी सौगात की घोषणा की है। जिन महिलाओं के परिवार की सालाना आय 3 लाख रुपये से कम है और जो टैक्स नहीं देतीं, उन्हें दिल्ली सरकार हर महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता देगी। यह योजना बीजेपी की 'महिला समृद्धि योजना' का हिस्सा है, जिसे दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले

पार्टी के प्रमुख वादों में शामिल किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद इसकी शुरुआत 8 मार्च, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस तक करने का वादा किया था। सूत्रों के मुताबिक, सरकार का अनुमान है कि दिल्ली में करीब 15 से 20 लाख महिलाएं इस योजना के लिए पात्र होंगी। इस योजना के तहत पात्रता के लिए कुछ शर्तें तय की गई हैं। केवल 18 से 60 साल की उम्र की महिलाएं ही इसका लाभ ले सकेंगी। साथ ही, सरकारी नौकरी करने वाली या किसी अन्य सरकारी आर्थिक सहायता का लाभ ले रही महिलाएं इस योजना से बाहर रहेंगी।

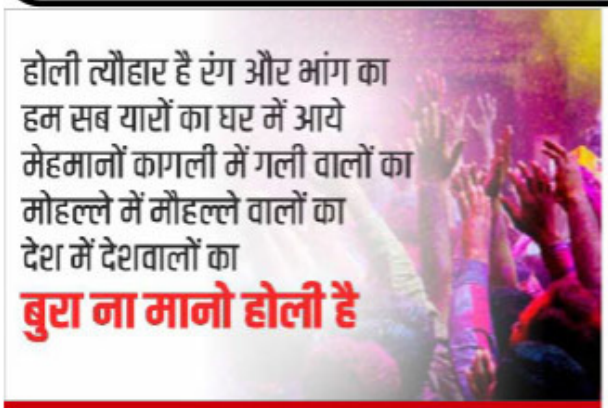

संपादकीय

समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए होली का महत्व

चेतन गन्धे
9893157809
सम्पादक

होली, भारतीय संस्कृति का एक अहम और रंगीन पर्व है, जिसे पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व प्रेम, भाईचारे, और सामाजिक एकता का प्रतीक बनकर हमारे दिलों को जोड़ने का काम करता है। होली का पर्व हर साल फाल्गुन माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है, और इस बार 2025 में यह 6 मार्च को मनाया जाएगा।

होली के पीछे न सिर्फ धार्मिक महत्व है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह पर्व न केवल रंगों से, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर, परंपराओं और लोगों के बीच स्नेह-संबंधों को भी उजागर करता है।

होली का त्योहार हमें एकता, प्यार और भाईचारे का संदेश देता है। इस दिन लोग अपने पुराने गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को रंग लगाते हैं और मिठाईयां बांटते हैं। यह समय होता है जब समाज के विभिन्न वर्गों के लोग, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या भाषा से संबंधित हों, एकजुट होकर खुशियाँ मनाते हैं। यह अवसर हमें यह याद दिलाता है कि रंगों के भेद नहीं होते, और सच्ची पहचान इंसानियत की होती है।

वर्तमान समय में होली का जश्न बहुत बदल चुका है। आधुनिक होली में अब रंगों के अलावा कई प्रकार के व्यंजन और मनोरंजन भी जुड़ गए हैं। लेकिन यह ध्यान रखना जरूरी है कि हम अपनी पारंपरिक होली की भावना को न भूलें। प्लास्टिक रंगों और हानिकारक रसायनों से बचते हुए प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करना न केवल हमारी सेहत के लिए, बल्कि पर्यावरण के लिए भी जरूरी है।

इसके साथ ही, होली के इस पर्व पर हमें यह याद रखना चाहिए कि मादक पदार्थों का सेवन न केवल हमारी सेहत के लिए हानिकारक है, बल्कि यह समाज में असमंजस और अशांति का कारण भी बन सकता है। हमें इस पर्व को खुशियों और सौहार्द के साथ मनाना चाहिए, न कि किसी तरह के दुराचार या उपद्रव के रूप में।

होली एक ऐसा समय है जब हमें समाज में व्याप्त नफरत, भेदभाव और असहमति को मिटाने की आवश्यकता है। इस पर्व के माध्यम से हम हर व्यक्ति को समान रूप से मान्यता देने, उनके अधिकारों का सम्मान करने और एक-दूसरे के प्रति सम्मानपूर्ण दृष्टिकोण रखने का संकल्प लें। यह समय है जब हम एक दूसरे से अपने मतभेदों को भूलकर सच्ची दोस्ती और भाईचारे का परिचय दें।

होली का पर्व न केवल एक धार्मिक उत्सव है, बल्कि यह सामाजिक एकता और प्यार का प्रतीक भी है। यह हमें यह संदेश देता है कि रंगों की तरह हमारे जीवन में भी विविधता हो सकती है, लेकिन हमें उसे मिलकर हर दिन एक नए उत्साह के साथ जीना चाहिए। इस होली पर हम सभी यह संकल्प लें कि हम अपने समाज को और भी अधिक सकारात्मक, सौहार्दपूर्ण और प्रेममयी बनाएंगे।

सभी को होली की ढेर सारी शुभकामनाएँ!

13 मार्च को होलिका दहन

भद्रा के बाद मिलेगा शुभ मुहूर्त

♦इंदौर, सोने की कलम।

इस वर्ष होलिका दहन पर भद्रा का असर सुबह से रात तक रहेगा। भद्रा काल में होलिका दहन करना अशुभ माना जाता है, इसलिए इस वर्ष 13 मार्च को भद्रा काल समाप्त होने के बाद रात्रि 11:28 बजे से होलिका दहन किया जाएगा।

अगले दिन रंगों का पर्व धुलेंडी पर चंद्रग्रहण है, जो विदेश में दिखाई देगा। भारत में इसे नहीं देखा जा सकेगा, जिससे इसका कोई असर भारत में नहीं होगा और सूतक काल भी नहीं माना जाएगा।

13 मार्च की देर रात और 14 मार्च की सुबह तक चंद्रग्रहण

इस वर्ष 2025 का पहला चंद्रग्रहण 13 मार्च की देर रात और 14 मार्च की सुबह अमेरिका सहित अन्य देशों में दिखाई देगा। भारत में यह ग्रहण नहीं दिखाई देगा, जिससे मंदिरों में सूतक नहीं लगेगा।

ग्रह नक्षत्रों पर पड़ने वाले प्रभाव से मिथुन, वृश्चिक, मकर और मीन राशि वालों को सावधान रहना होगा। ग्रहण और भद्रा जीवन को प्रभावित कर सकते हैं, लेकिन इन दुष्प्रभावों को कम करने के उपाय ज्योतिष विज्ञान में बताए गए हैं।

होली के आठ दिन पूर्व लगने वाला होलाष्टक 7 मार्च से शुरू हो रहा है। होलिका दहन 13 मार्च को किया जाएगा। 13 मार्च को सुबह 10:36 बजे से पूर्णिमा तिथि प्रारंभ होगी, जो 14 मार्च को दोपहर 12:15 बजे तक रहेगी। चूंकि उदया तिथि की पूर्णिमा 14 को है, लेकिन पूर्णिमा दोपहर तक तीन प्रहर से कम है, इसीलिए होलिका दहन पूर्णिमा तिथि पर होगा।

होलिका दहन का मुहूर्त मात्र 47 मिनट

इस वर्ष होलिका दहन का शुभ मुहूर्त केवल 47 मिनट का है। 13 मार्च को भद्रा प्रातः 10:36 से आरंभ होकर मध्य रात्रि 11:27 तक रहेगा। इसके बाद रात्रि 11:28 से रात्रि 12:15 बजे के बीच होलिका दहन किया जा सकेगा।

भद्रा का महत्व

शास्त्रों में भद्रा को सूर्य की पुत्री और शनिदेव की बहन माना गया है। भद्रा का स्वभाव क्रोधी है, और इसे नियंत्रित करने के लिए ब्रह्मा ने कालगणना में स्थान दिया है। जब भद्रा मृत्यु लोक में होती हैं, तो इसे अशुभ माना जाता है, और इस समय शुभ कार्य नहीं करना चाहिए।

अवैध गैस गोडाउन पर खाद्य विभाग की बड़ी छापामार कार्यवाही

♦इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में खाद्य विभाग के अमले ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संचालित गैस गोडाउन पर छापामार कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान गैरेज में संचालित अवैध गैस गोडाउन को सील किया गया और बड़ी मात्रा में संग्रहित गैस सिलेंडर जप्त किये गए।

जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल. मारू ने बताया कि लगातार शिकायत मिल रही थी कि पीथमपुर रोड विश्वास नगर चौपाटी तहसील महू में गैरेज में अवैध रूप से गैस गोडाउन संचालित है। आज खाद्य विभाग के अमले द्वारा छापामार कार्रवाई की गई। बताया गया कि पीथमपुर से अवैध गैस सिलेंडर लाकर गोदाम ना ले जाकर गेराज में भंडारित करते थे। यह आमजन की सुरक्षा की दृष्टि से खतरनाक था। कार्रवाई के दौरान मौके पर महू की दो गैस एजेंसी भारत गैस सर्विस आईओसी एवं गैस ओ महू एचपीसीएल के संचालकों द्वारा बनाये गए गैस सिलिंडर के अवैध भंडारण गोडाउन एवं वितरण केंद्र से 2 लोडिंग ऑटो एवं गोडाउन में 14.2 किलोग्राम के घरेलू गैस सिलेंडर संग्रहित कर अवैध कारोबार करना पाए जाने पर दोनों वाहन एवं गोडाउन में पाए गए 14.2 किलोग्राम के 120 नग एचपी गैस के एवं 50 नग आईओसी के साथ ही 4 नग 5 किलोग्राम के गैस सिलेंडर को जप्त किया गया। गोदाम मालिक तेहरीम मेहर के मामा निज़ाम खान द्वारा उक्त गोदाम किराये पर दोनों गैस एजेंसी को देना बताया गया है। गैरेज को सील कर आगामी कार्रवाई जारी है।

एमवायएच में ईआरसीपी मशीन जल्द शुरू होगी

गरीब और जरूरतमंद मरीजों को मिलेगा लाभ

♦इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर के एमवाय अस्पताल में तीन वर्षों से रखी गई एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कोलेंजियो पैनक्रिएटोग्राफी (ईआरसीपी) मशीन जल्द ही शुरू होने वाली है। इससे संभागभर के गरीब और जरूरतमंद मरीजों को फायदा होगा, क्योंकि अब उन्हें निजी अस्पतालों में मोटी रकम देकर यह जांच नहीं करवानी पड़ेगी। इस दिशा में डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। मशीन को चालू करने के लिए आवश्यक उपकरण मंगवाने और अन्य प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी।

यह मशीन 50 लाख रुपये की है और तीन साल पहले अस्पताल में लाई गई थी, लेकिन विभागीय डॉक्टरों द्वारा रुचि नहीं दिखाए जाने के कारण यह अब तक शुरू नहीं हो पाई थी।

ईआरसीपी मशीन पेट की जांच के लिए उपयोगी है, जिससे लिवर, पित्ताशय की थैली और अग्नाशय संबंधी विकारों का पता चलता है। इसके माध्यम से अग्नाशय में रुकावट, रिसाव या ट्यूमर जैसी समस्याओं का पता लगाया जा सकता है। यह पित्ताशय और लिवर की नलियों के कैंसर के इलाज में भी सहायक होती है।

अस्पताल के ओपीडी में हर रोज करीब 200 मरीज पेट संबंधित समस्याओं के लिए आते हैं, जिनमें से 10 प्रतिशत मरीजों को ईआरसीपी मशीन से जांच की आवश्यकता होती है। इन मरीजों में से पांच प्रतिशत आयुष्मान योजना के तहत आते हैं, जिनके लिए यह जांच मुफ्त होती है।

निजी अस्पतालों में यह जांच 30,000 से 40,000 रुपये में होती है, जो गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए भारी बोझ बन सकती है। लेकिन अब एमवाय अस्पताल में ईआरसीपी मशीन शुरू होने से आयुष्मान योजना के लाभार्थियों को निशुल्क और अन्य मरीजों को बहुत कम दरों पर जांच की सुविधा मिल सकेगी।

गौरतलब है कि सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल में ईआरसीपी मशीन पहले से ही संचालित हो रही है।

इंदौर मार्च के पहले हफ्ते में ठण्ड का असर बढ़ा

• इंदौर, सोने की कलम।

मार्च के पहले हफ्ते में ठण्ड ने फिर से दस्तक दी है। पिछले 48 घंटों में दिन के तापमान में 5 डिग्री और रात के तापमान में 6 डिग्री की गिरावट आई है। इस दौरान सुबह और रात को ज्यादा ठण्ड महसूस हो रही है। बुधवार को दिन में बीच-बीच में ठण्ड का अहसास था, और गुरुवार सुबह भी मौसम ठण्डा ही रहा। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि एक-दो दिनों में तापमान में वृद्धि हो सकती है।

मंगलवार को तेज हवाओं के कारण मौसम ठण्डा था, और बुधवार सुबह से भी ऐसी ही स्थिति बनी रही। दिन में भी 19 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं, जिससे ठण्ड का अहसास और बढ़ गया। इसके परिणामस्वरूप लोगों को फिर से ऊनी वस्त्रों की आवश्यकता महसूस हो रही है।

बुधवार को दिन का तापमान 2 डिग्री गिरकर 28.4 डिग्री सेल्सियस (-4) पर पहुंच गया, जबकि रात का तापमान 3 डिग्री घटकर 10.8 डिग्री सेल्सियस (-3) पर आ गया। इस प्रकार, वर्तमान में दिन का तापमान सामान्य से 4 डिग्री कम और रात का तापमान सामान्य से 3 डिग्री कम है।

मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण मौसम में बदलाव आया है। पहाड़ों पर बर्फबारी हुई है और सर्द हवाएं चल रही हैं, जिससे तापमान में गिरावट आई है। हालांकि, मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इंदौर में अगले एक-दो दिनों में तापमान में वृद्धि हो सकती है।

राजवाड़ा क्षेत्र में चलायी गई अतिक्रमण हटाओ मुहिम

♦इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर में यातायात सुधार के लिए कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में अभियान चलाया जा रहा है। सड़कों, फुटपाथ आदि पर सामग्री रख अथवा अतिक्रमण कर यातायात बाधित करने वालों के विरूद्ध इस अभियान के तहत कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इंदौर में यातायात को सुगम बनाने के लिये जिला प्रशासन, नगर निगम, यातायात पुलिस आदि अमले के संयुक्त दल गठित किये है। इन दलों द्वारा उक्त कार्रवाई की जा रही है।

इसी सिलसिले में आज जिला प्रशासन, नगर निगम एवं पुलिस तथा यातायात पुलिस द्वारा यातायात को सुगम बनाने जोन 12 के अंतर्गत गुरुद्वारा चौराहा से राजवाड़ा तक संयुक्त कार्यवाही की गई। सड़क एवं फुटपाथ पर पार्क वाहनों एवं सामान रखने पर 13 हजार रुपये की चलानी कार्यवाही की गई। कुछ जगह से अतिक्रमण हटाया गया एवं सामान जब्त किया गया एवं समझाइश दी गई की गाड़ियां एवं सामान अपने परिसर में रखें। संयुक्त कार्यवाही में एसडीएम श्रीमती प्रियंका चौरसिया, जोनल अधिकारी श्री राहुल सूर्यवंशी, बी.आई. श्री अंकुश चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

सैनिक सम्मेलन 11 मार्च को

♦इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर जिले के पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, सैनिकों की विधवाओं एवं उनके आश्रितों की समस्याओं के निराकरण के लिए सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, जयरामपुर कालोनी, इंदौर के सभागार में 11 मार्च 2025 को प्रात: 11.30 बजे से आयोजित होगा। सम्मेलन की अध्यक्षता जिला सैनिक कल्याण अधिकारी इंदौर कमांडर नगेश चंद्र मालवीय (से.नि.) करेंगे। इंदौर तथा आसपास के क्षेत्रों में निवासित सभी पूर्व सैनिकों, वीरनारियों, विधवाओं एवं आश्रितों से आग्रह किया गया है कि इस आयोजन में सम्मिलित होकर अपनी शिकायत एवं समस्याओं का निराकरण करवायें। इस अवसर पर पूर्व सैनिकों हेतु संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

आरटीओ ने 16 वाहनों से वसूला 51 हजार का जुर्माना

♦इंदौर, सोने की कलम।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों, बसों, स्कूल वाहनों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। आज पिपल्याहाना चौराहे पर इंदौर-खंडवा, इंदौर-देवास रूट की बसों की सघन चेकिंग की गई, जिसमें वाहनो के फ़िटनेस, परमिट, बीमा, पीयूसी, कर प्रमाण पत्र आदि चेक किये गए। बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया की भी जांच की गई। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि इस दौरान 40 से अधिक बसों की जांच की गई। दस्तावेज नहीं होने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाली बसों के साथ ही लोक परिवहन वाहनो में विभिन्न कमियां पाए जाने पर 16 से अधिक वाहनों पर जुर्माना लगाया गया। इस दौरान वाहनों से 51 हजार रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया। साथ हीएक ट्रेवलर वाहन को बिना परमिट संचालित होने पर जब्त किया गया। लोगों को अपने वाहनों पर एचएसआरपी नम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया गया। वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की गई।

इंदौर में आग से दो स्थानों पर मची अफरातफरी

चंदन नगर और पलासिया में आग लगने की घटनाएं

♦इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर के चंदन नगर इलाके में बुधवार रात एक टेंट हाउस के गोदाम में भीषण आग लग गई। जानकारी के अनुसार, आग बुझाने के लिए करीब दो लाख लीटर पानी और 5 हजार लीटर फोम का इस्तेमाल किया गया। आग की लपटों को देखते हुए आसपास की बस्ती को भी रात में खाली कराना पड़ा।

फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों के अनुसार, गोदाम में आग बुझा दी गई है, लेकिन धुआं अभी भी निकल रहा है। गर्म मलबे को ठंडा करने के लिए फायर फाइटर्स मौके पर तैनात हैं। आग ग्राम सिंदौड़ा के लालजी टेंट हाउस में लगी थी, जहां 20 हजार स्क्वायर फीट से अधिक क्षेत्र में गोदाम बना हुआ था। रात करीब 11 बजे फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

एसआई करण सिंह और उनकी टीम पूरी रात आग बुझाने में लगी रही, और एक गाड़ी अभी भी मौके पर मौजूद है।

इसी दौरान, पलासिया क्षेत्र में संजीवनी अस्पताल के पास स्थित एक बंद पड़े फर्नीचर शोरूम में भी देर रात आग लग गई। फायर ब्रिगेड ने यहां आग को दो घंटे में काबू कर लिया। यह गोदाम पुराने फर्नीचर के साथ-साथ आर्टिफिशियल सामान भी बेचता था। यह घटनाएं इंदौर में पिछले 24 घंटे में आग की दो बड़ी घटनाओं को लेकर चिंता का विषय बन गई हैं।

मंदिरों के बाहर फिर दिखने लगा भिक्षुकों का जमावड़ा

♦इंदौर, सोने की कलम।

इंदौर जिले में भिक्षावृत्ति के खिलाफ लागू की गई सख्त नीतियां अब कमजोर पड़ती नजर आ रही हैं। 2 जनवरी को कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा जारी किए गए आदेश के तहत भिक्षा मांगने और देने पर आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने की व्यवस्था 28 फरवरी को समाप्त हो गई। इसके बाद एक बार फिर से मंदिरों के बाहर भिक्षुकों का जमावड़ा लगने लगा है। विशेष रूप से शनिवार और मंगलवार जैसे खास दिनों में यह दृश्य अधिक देखने को मिल रहा है।

कलेक्टर ने भिक्षावृत्ति को समाप्त करने के लिए तीसरे चरण में सख्त कदम उठाए थे। इसमें भिक्षा देने और लेने पर आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाने का आदेश जारी किया गया था। 2 जनवरी से 28 फरवरी तक इस आदेश के तहत तीन लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए गए थे।

इंदौर में भिक्षा मुक्त अभियान की शुरुआत महिला और बाल विकास विभाग ने गत वर्ष की थी। पहले चरण में भिक्षुकों को जागरूक कर समझाइश दी गई और दूसरे चरण में भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों का रेस्क्यू कर उन्हें आश्रय घरों में भेजा गया। इस अभियान में 700 वयस्कों को सेवाधाम आश्रम भेजा गया और 60 से अधिक बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलवाया गया।

कलेक्टर द्वारा जारी आदेश ने भिक्षावृत्ति पर कड़ी सख्ती दिखाई थी। इस दौरान किसी भी व्यक्ति को भिक्षा देने या उनसे सामग्री खरीदने पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत प्रकरण दर्ज करने की बात कही गई थी। इसका असर यह हुआ था कि इंदौर में भिक्षावृत्ति लगभग पूरी तरह से समाप्त हो गई थी।

भिक्षावृत्ति से जुड़ी सूचनाएं देने पर प्रशासन ने एक हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी। इसके बाद हर दिन प्रशासन को भिक्षावृत्ति से जुड़ी सूचनाएं मिलने लगीं और अब तक 28 लोगों को एक हजार रुपये का इनाम देकर सम्मानित किया जा चुका है।

हालांकि, अब जब सख्त आदेश खत्म हो गए हैं, तो यह देखना होगा कि प्रशासन के द्वारा किए गए प्रयासों का प्रभाव लंबी अवधि तक कायम रह पाता है या नहीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक चेतन गन्धे के लिए चेतन ग्राफिक्स, 135, नगर निगम मार्केट, सुभाष मार्ग, बीआईपी स्टेशनरी के सामने, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 109, बाणगंगा मेनरोड़, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक: चेतन गन्धे, मो. : 9893157809 Email : sonekikalam@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा।)